Date: 28-3.2020
P. No: 1

हिन्दी पाठ्य - पुस्तक - माधुरी

कक्षा - 4

विषय - हिन्दी

पाठ - 1

"जब आती सूरज की किरणें"

कविता प्रवेश ⇒ जब सूरज निकलता है, तो वह दृश्य बहुत सुहावना और दर्शनीय होता है। वह समय हमें उषा, उमंग एवं उत्साह से भर देता है। कवि ने उस समय का बहुत सुंदर और सरस चित्रांकन किया है।

कविता का उद्देश्य ⇒ इस कविता का उद्देश्य बालकों को सवेरे उठकर निकलते हुए सूरज के सौन्दर्य का दर्शन करने के लिए प्रेरित करना है। ऐसा करने से उन्हें सवेरे उठने की आदत पड़ेगी और वे प्राकृतिक सुषमा का आनन्द ले सकेंगे।

श्रुतलेख

अंधकार, मुँह, रोशन, सुहाना, प्रातः काल, सफर, 'आमंत्रण'।

उमंग – उल्लास

———×———×———×——— 3

गृहकार्य ⇒

- श्रुतलेख के प्रत्येक शब्द को तीन-तीन बार लिखें।
- शब्दार्थ को याद करें व कॉपी में लिखें।
- सभी प्रश्नों के उत्तर कॉपी में लिखें व याद करें।
- समानार्थी शब्दों को याद करें।

———×———×———×———

✡ शब्द - अर्थ

रोशन — प्रकाशित
सुहानी — अच्छी लगने वाली
हरषाने वाली — प्रसन्न
प्रातः काल = सुबह
वेला = समय
सफर = यात्रा

✡ अभ्यास कार्य

✡ इन प्रश्नों के उत्तर दें —

प्रश्न1. कलियाँ कब खिल जाती है?
उत्तर सूरज की किरणों के निकलने पर कलियाँ खिल जाती है।

प्रश्न2. सुबह कैसी हवा चलती है?
उत्तर सुबह ठंडी - ठंडी हवा चलती है।

प्रश्न3. प्रातः काल की सुंदर वेला किसको वश में कर लेती है?
उत्तर प्रातः काल की सुंदर वेला मन को वश में कर लेती है।

✡ निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन बनाओ —

1. गली गलियाँ
2. फली फलियाँ
3. जाली जालियाँ
4. नाली नालियाँ
5. कहानी कहानियाँ
6. रानी रानियाँ